IAD

Institute of Applied Dermatology

Effective Care through Integrative Medicine

उपचार के पहले 7-2-2015 21 दिन के उपचार के बाद 27-2-2015

एकीकृत उपचार के बाद परिणामों की तुलना

Comparison of result after the integrative treatment

क्रांतिकारी चिकित्सा और देखभाल की प्रतिबद्धता के लिए

IAD एक गैर लाभकारी संस्था है जो की उन त्वचा सम्बन्धी रोगियों के इलाज के लिए तत्पर है जिन्हें समाज द्वारा उपेक्षित कर दिया गया है। IAD की स्थापना त्वचा विशेषज्ञ डॉ. एस. आर. नरहरि एवं उनके समान अन्य नौ विशेषज्ञों द्वारा 1999 में की गई थी।

IAD अग्रणी संगठन है जिसने एलोपथी,आयुर्वेद और होम्योपेथी धाराओं और योग विशेषज्ञों के माध्यम से एक अनूठा एकीकृत उपचार, लसीका फाईलेरिया के लिए विकसित किया है। आज IAD विटिलिगो, सोरीयासिस, लैकनप्लानस, मौसा और अल्सार

IAD के प्रमुख विकास मे शामिल है:

- लिम्फेटिक फाईलेरिया, विटिलिगो, सोरीयासिस, लैकनप्लानस, मौसा और अल्सार के लिए साक्ष्य आधारित नैदानिक उपचार
- आयुर्वेद मे व्यवस्थित समीक्षा संचालन करने के लिए रिपोर्ट
- लिम्फेटिक फाईलेरिया के लिए उपचार पद्धति अच्छी तरह से विकसित की गई है । अन्य बीमारियों के लिए इलाज की पद्धति विभिन्न चरणों में है।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने IAD को जर्मनी के फोल्डि क्लिनिक और ब्राजील के ड्रेयेर क्लिनिक के साथ Lymphoedema चिकित्सा में प्रमुख स्थान दिया है।
- IAD दक्षिण भारत में केरल के कासरगोड में स्थित है। अपनी सफ़लता के आधार पर कर्नाटक के गुलबर्गा और

क्रांतिकारी चिकित्सा और देखभाल की प्रतिबद्धता के लिए

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने हाथी पाँव (Filariasis) को गरीबों की उपेक्षित बीमारी के तौर पर नजरंदाज कर दिया है क्योंकि इस पर बहुत कम अनुसंधान हुआ है और यहाँ की सरकार और जैव चिकित्सा उद्योग ने कोई विशेष ध्यान नहीं दिया है। विश्व के एक तिहाई लोग जो लसिका फाइलेरिया से ग्रस्त है भारत में पाए जातें है। एलेफन्तिअसिस भारतीय ग्रामीण अर्थव्यवस्था का सालाना 1 अरब डॉलर के अनुमानित नुक्सान का भयानक कारण बनता जा रहा है । अधिकाँश रोगी गाँव में पाए जाते हैं । वे अपने सूजे हुए पैर से विकलांग हैं और लगातार आने वाले बुखार से पीड़ित रहते हैं। इनमें से बहुत सारे लोग अपने परिवार के पालनकर्ता है।

एशिया में तीन करोड़ फाईलेरिया के मामले हैं जिसमें अकेले भारत में ही 2.3 करोड़ पाए जाते हैं जो एशिया का लगभग 80% है। क्रमशः बिहार में 17%, केरल में 15.7%, उत्तर प्रदेश में 14.6% और ओडिशा सबसे स्थानिक है। आंध्रप्रदेश, बिहार, केरल, कर्नाटक, ओडिशा उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल माइक्रो फाईलेरिया वाहकों का 86% है और देश में इस रोग के मामलों में 97% से आधिक योगदान करता है।

IAD ने इन उपेक्षित रोगों से पीडित लोगों के लिए एक अतुलनीय उदाहरण प्रस्तुत किया है और यह उनके भाविष्य की आशा की किरण है।

"*IAD* ही एक मात्र ऐसी संस्था है जिस का त्वचा विज्ञन के क्षेत्र मे विशेष स्थान है । मैं ऐसी कोई और संस्था नहीं जनता हूँ जो की *IAD* जैसा प्रयास इस क्षेत्र मे कर रहा है। इस उपचार के क्षेत्र में स्वर्णिम स्थान हासिल किया *IAD* ने

फ्रोफेसरे टेरेन्स जे रयान
एमेरिटस फ्रोफेसर, ओक्सफोर्ड मेडिकल स्कूल (ब्रिटेन) एवं विकासशील देशों में फाईलेरिया के लिए बेहतर देखभाल के अधिवक्ता.

डॉ क्लेर फुल्लर (चेयरपर्सन, अंतर्राष्ट्रीय फाउण्डेशन ऑफ डर्मटॉलजि) *IAD* के डॉ. एस. आर. नरहरि और डॉ. के.एस. प्रसन्ना रोगी के साथ विचार विमर्श करते हुए

IAD पिछले कुछ वर्षों में रोगी की जरूरत और उपचार की मांगों को समझने में अपने कई वर्षो के अनुभव के आधार पर विकसित की गई एक संस्था है। उपचार की प्रक्रिया अच्छी तरह से प्रलिखित है साथ ही में रोगी को क्या करना है और क्या नहीं, इसका पूरी तरह से मार्गदर्शन किया जाता है ।

महत्वपूर्ण उपचार के चरण:

परामर्श:

हर रोगी सबसे पहले उपने परामार्शदाता के साथ अपनी समस्या पर पूरी तरह से चर्चा करता है। एक अच्छी तरह की प्रलिखित की गई परामार्श की वास्तविक रिपोर्ट इलाज के पहले चिकित्सक को दी जाती है । रोगी और उसके सभी परिवारजनों को IAD के काम करने के सभी तरीके, रोग, उपचार, इलाज का मूलमंत्र के बारे मे विस्तृत जानकारी दी जाती है ।

मंत्रण:

परामर्श की रिपोर्ट के आधार पर चिकित्सक एक विस्तृत परीक्षण करेंगे । आम तौर पर कोई भी रणनीति अपनाने से पहले रोगी की प्रकृति और स्थानीय विकृति का मूल्यांकन किया जाता है।

टेलीमेडिसिन:

IAD का टेलीमेडिसिन विभाग टेली-त्वचा विजान और ग्रामीण क्षेत्र में दूरसंचारण द्वारा लिम्फोटिक फाईलेरिया के प्रबंधन पर जोर देता है । रोगी IAD के चिकित्सक से सीधे ऑनलाइन अपनी समस्याओं पर चर्चा कर सकते है ।

अन्य परियोजनाएँ:

भारत सरकार द्वारा दी गई वित्तीय सहायता से IAD ने विभिन्न अनुसंधान तथा परियोजनाएँ लागू की है । आज तक DST, AYUSH, KSACS, KSCSTE, EMAK, Give India जैसी विभिन्न संस्थाओं ने अनुदान के माध्यम से सहायता प्रदान की है। परन्तु पिछले तीन वर्षों से कोई वित्तीय सहायता के बिना गरीब फाईलेरिया रोगियो को नि:शुल्क उपचार प्रदान कर रहा है।

क्या ये कार्यक्रम अद्वितीय है?

IAD के ये कार्यक्रम नि:सदेह अद्वितीय है क्योंकि वे दवा से उन जीर्ण रोगियों को ठीक करते हैं जिन्हें चिकित्सा की एक प्रणाली द्वारा ठीक नहीं किया जा सकता । यहां एलोपथी, आयुर्वेद, होम्योपेथी और योग के उपयोगी प्रभावों को एक तरह से साथ लाकर उपचार किया जाता है ताकि यह रोगियों के लिए सुरक्षित और लाभदायक हो। इस तरह का यह एकीकृत उपचार व इसके परिणाम साक्ष्यों पर आधारित है।

IAD ने रोगी की देखभाल के लिए घर में गैर सर्जिकल एकीकृत उपचार का उपयोग कर Lymphoedema के उपचार में अपनी विशेषज्ञता के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान और प्रशंसा प्राप्त की है । अंतर्राष्ट्रीय लिफडिम फ्रेमवर्क लंदन ने लिफोलोजि की अंतर्राष्ट्रीय

IAD मे अनुसंधान:

IAD एलोपथी के साथ-साथ आयुर्वेद और होम्योपेथी को एकीकृत करने के लिए नैदानिक अनुसंधान आयोजित करता है। यहाँ सहयोग के माध्यम से कई शोध कार्यक्रम कई प्रमुख संस्थानो के साथ किये जा रहें हैं।

चिकित्सकों द्वारा 40 से अधिक शोध लेख भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय चिकित्सा पत्रिकाओं में प्रकशित किये जा चुके है।

अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट पर जाएँ:
www.iad.org.in

IAD का विश्वास है की दुनिया के गरीबों को इस उपेक्षित बीमारी का इलाज प्रदान कर उनकी पीड़ा कम करने की दिशा में विश्वसनिय शुरुआत है । अनगिनत लाखों लोगों को उपचार प्रदान करने के लिए IAD को अपने संसाधन, तत्परता एवं अन्य प्रक्रियाओं में व्यापक विस्तार की आवश्यकत एवं इसके लिए दुनिया भर के दाताओं एवं अनुदान देने वाली संस्याओ से सहायता के लिए अनुरोध करता है ।

जहाँ एक और IAD की टीम त्वचा रोगों के उपचार में अपना ध्यान केंद्रित कर रही है, वहीं दूसरी ओर सामाजिक कल्याण संगठनो, निगमों और व्यक्ति विशेष से तत्काल प्रभाव से उदारता एव सहायता की आशा करती है ।

दुनिया के गरीबों को सक्षम बनाने मे हमारा भागीदार बनने के लिए हमे निम्नलिखित नंबर पर संपर्क करे अथवा इ-मेल करें ।

04994-240862/63, E mail:- iadorg@gmail.com

लिम्फेटिक फाईलेरिया के एकीकृत उपचार के चरण

IAD

Institute of Applied Dermatology

Effective Care through Integrative Medicine

MP XVI/575 (A), IAD Junction, Uliyathadka, Madhur Road, Kasaragod 671124, Kerala, India
Ph: 04994 240862, 240863, Mob: 09446449920, 09895588735
CIN : U73100KL1999NPL013167
e-mail: iadorg@gmail.com www.iad.org.in

यदि आप हमारे साथ स्वयंसेवक बनना चाहते हैं तो लॉग ऑन करें: www.indiandermatology.org

सभी दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80 जी (5) (vi) के तहत छूट में आते हैं